Seventeenth Loksabha

an>

Title: Problems regarding decrease in Price of Apple in the market and relaxation in GST for packaging.

श्री हसनैन मसूदी (अनन्तनाग): सभापति महोदय, बहुत ही अर्जेंट मामला उठाने की इजाजत देने के लिए, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया।

महोदय, मेवा सनद सेब कश्मीर की मईशत के लिए रीढ़ की हड्डी की हैसियत रखता है। कश्मीर में करीब 30 लाख मीट्रिक टन मेवे की पैदावार होती है। उसमें खासकर सेब की पैदावार होती है। यह सारा का सारा दरआमद किया जाता है, क्योंकि वहां पर कमर्शियल पॉलिसी की बहुत कम व्यवस्था है। कमर्शियल पॉलिसी इन्क्रीज होनी चाहिए, क्योंकि इसे बहुत कम लेना पड़ता है। इस साल 5 करोड़ पेटियां दरआमद की गई हैं। इस साल जम्मू-कश्मीर नेशनल हाइवे के बंद होने की वजह से बहुत नुकसान हुआ है। बहुत अरसे तक बंद रहने से पहले ही बहुत ज्यादा नुकसान हो चुका है। सारा मेवा सड़ गया। अब बाजार में गिरती हुई सेब की कीमतें नई परेशानी के रूप में दरपेश है।

हमारे किसानों को करोड़ों रुपयों के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। वजह क्या है? एक यह है कि सेब की पैकेजिंग के बाद ट्रांसपोर्टेशन पर जो लागत आती है, मार्केट से वह कीमत तक हासिल नहीं होती है। जो पूरा कश्मीर है, वहां जितने भी मेवा उगाने वाले किसान हैं, उनको नुकसान हो रहा है। इसकी जरूरत है। एक तो कॉमर्शियल पॉलिसी को इन्क्रीज किया जाए, वह तो लॉन्ग टर्म सैल्यूशन है। देखा जाए कि क्या यह इंपोर्ट की वजह से हो रहा है?

जनाब, इसे देखना और स्टडी करना बड़ा जरूरी है, क्योंकि आप इंपोर्ट कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में इंपोर्ट की वजह से क्या हुआ? या तो दीदा-दानिस्ता सड़क बंद कर दी गई और सड़क बंद रखने के दौरान बड़ी नेग्लीजेंस की गई। वहां सारा का सारा मेवा सड़ गया। उसके बाद ये नई चुनौती आ गई है। पैकेजिंग पर 15 फीसदी जीएसटी लगाया गया है। आप देखिए कि क्या इंपोर्ट की वजह से ये हुआ है या दीदा-दानिस्ता कश्मीर को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

जनाब, आप इसकी ऑब्जेक्टिव स्टडी करने के लिए कहिए और इंपोर्ट पर पाबंदी लगाइए। हिमाचल प्रदेश और कश्मीर में एक हाई क्वॉलिटी सेब एवेलेबल है, जो आपने श्रीनगर में भी देखा है। यहां से हमारे जो भी साथी वहां गए हैं, वे वहां भी देख रहे हैं और यहां भी देख रहे हैं, तो इंपोर्ट करने की क्या जरूरत है? इससे नुकसान हो रहा है। दूसरा आप पैकेजिंग पर जो जीएसटी लगा रहे हैं, उसमें छूट दीजिए। तीसरी बात ये है कि रिलीफ देने के लिए कोई न कोई व्यवस्था कीजिए।

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) : महोदय, एक बात तो सुनिए।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : प्लीज आप बैठ जाइए। पहले शून्य काल की लिस्ट पूरी हो जाने दीजिए।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति : मैं आपको अवसर दूंगा।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप थोड़ा धैर्य रखिए। प्लीज आप बैठ जाइए।

... (व्यवधान)